संतोषी माता चालीसा

॥ दोहा ॥

श्री गणपति पद नाय सिर,

धरि हिय शारदा ध्यान।

सन्तोषी माँ की करूँ,

कीरति सकल बखान॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

॥ चौपाई ॥

जय संतोषी मां जग जननी,

खल मति दुष्ट दैत्य दल हननी।

गणपति देव तुम्हारे ताता,

रिद्धि सिद्धि कहलावहं माता।

माता-पिता की रहौ दुलारी,

कीरति केहि विधि कहूँ तुम्हारी।

क्रीट मुकुट सिर अनुपम भारी,

कानन कुण्डल की छवि न्यारी।

हिन्दीपथ.कॉम – HindiPath.com

सोहत अंग छटा छवि प्यारी,

सुन्दर चीर सुनहरी धारी।

आप चतुर्भुज सुघड़ विशाला,

धारण करहु गले वन माला।

निकट है गौ अमित दुलारी,

करहु मयूर आप असवारी।

जानत सबही आप प्रभुताई,

सुर नर मुनि सब करहिं बड़ाई।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

तुम्हरे दरश करत क्षण माई,

दुख दरिद्र सब जाय नसाई।

वेद पुराण रहे यश गाई,

करहु भक्त की आप सहाई।

ब्रह्मा ढिंग सरस्वती कहाई,

लक्ष्मी रूप विष्णु ढिंग आई।

शिव लिंग गिरजा रूप बिराजी,

महिमा तीनों लोक में गाजी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

शक्ति रूप प्रगट जन जानी,

रुद्र रूप भई मात भवानी।

दुष्ट दलन हित प्रगट काली

जगमग ज्योति प्रचंड निराली।

चण्ड मुण्ड महिषासुर मारे,

शुम्भ निशुम्भ असुर हनि डारे।

महिमा वेद पुरानन बरनी,

निज भक्त्न के संकट हरनी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

रूप शारदा हंस मोहिनी,

निरंकार साकार दाहिनी।

प्रगटाई चहुंदिश निज माया,

कण कण में है तेज समाया।

पृथ्वी सूर्य चन्द्र अरु तारे,

तव इंगित क्रम बद्ध हैं सारे।

पालन पोषण तुम्हीं करता,

क्षण भंगुर में प्राण हरता।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

ब्रह्मा जी विष्णु तुम्हें निज ध्यावै,

शेष महेश सदा मन लावें।

मनोकमाना पूरण करनी,

पाप काटनी भव भय तरनी।

चित्त लगाय तुम्हें जो ध्याता,

सो नर सुख सम्पत्ति है पाता।

बन्ध्या नारि तुमहिं जो ध्यावै,

पुत्र पुष्प लता सम वह पावैं ।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

पति वियोगी अति व्याकुलनारी,

तुम वियोग अति व्याकुलयारी।

कन्या जो कोई तुमको ध्यावै,

अपना मन वांछित वर पावै।

शीलवान गुणवान हो मैया,

अपने जन की नाव खिवैया।

विधि पूर्वक व्रत जो कोई करहीं,

ताहि अमित सुख सम्पत्ति भरहीं।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

गुड़ और चना भोग तोहि भावै,

सेवा करै सो आनन्द पावै ।

श्रद्धा युक्त ध्यान जो धरहीं,

सो नर निश्चय भव सों तरहीं।

उद्यापन जो करहि तुम्हारा,

ताको सहज करहु निस्तारा।

नारी सुहागिन व्रत जो करती,

सुख सम्पत्ति सों गोदी भरती।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जो सुमिरत जैसी मन भावा,

सो नर वैसो ही फल पावा।

सात शुक्र जो व्रत मन धारे,

ताके पूर्ण मनोरथ सारे।

सेवा करहि भक्ति युत जोई,

ताको दूर दरिद्र दुख होई।

जो जन शरण माता तेरी आवै,

ताके क्षण में काज बनावै।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जय जय जय अम्बे कल्याणी,

कृपा करो मोरी महारानी।

जो कोई पढ़े मात चालीसा,

तापे करहिं कृपा जगदीशा।

निज प्रति पाठ करै इक बारा,

सो नर रहै तुम्हारा प्यारा।

नाम लेत ब्याधा सब भागे,

रोग दोष कबहूँ नहीं लागे।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

॥ दोहा ॥

सन्तोषी माँ के सदा

बन्दहुँ पग निश वास।

पूर्ण मनोरथ हों सकल

मात हरौ भव त्रास॥

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- अन्नपूर्णा चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीसा

हिन्दीपथ.कॉम

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com